संपादकीय

तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का प्रस्तुत अंक सुधी पाठकों को सौंपते हुए हमें अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। पिछले अंकों की भांति इस अंक में भी वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को सरल, सुबोध एवं प्रचलित भाषा में प्रस्तुत किया गया है जिससे कि हर वर्ग का पाठक जल संबंधी शोध एवं विकास कार्यों की नित नई जानकारियों का लाभ उठा सके। हमें विश्वास है कि यह अंक भी हमारे पाठकों को रुचिकर, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लगेगा। आमतौर पर यह देखा जाता है कि तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति की जानकारियां अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित की जाती हैं परंतु हमारे संस्थान ने हर वर्ग के पाठकों को ध्यान में रखकर ही इस पत्रिका का प्रकाशन हिंदी में प्रारंभ किया है और यह क्रम वर्ष 2011 से निरंतर जारी है। पत्रिका में जल से जुड़े लेखों को प्राथमिकता देते हुए कविताओं, कार्टूनों व लघु कहानियों को भी स्थान दिया गया है।

इस अंक में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, मानव की भोगवादी प्रवृत्ति एवं विलासितापूर्ण जीवन की देन है, नदियों का अंतर्योजनः केन-बेतवा लिंक परियोजना, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं कृषि में मौसम की भविष्यवाणी का प्रभाव, भूगर्भजल दोहन : समस्या और समाधान इत्यादि जैसे रोचक, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को शामिल किया गया है। जल से जुड़े लेखों के अलावा कुछ अन्य रोचक विषयों जैसे वेटलैण्ड : क्या और क्यों, आज भी खरी है मेड़बंदी, आइये, हम खुद लिखें एक निर्मल कथा, जल प्रबंधन एवं जबलपुर के तालों का समीक्षात्मक अध्ययन इत्यादि पर लिखे गए लेखों को भी सम्मिलित किया गया है।

हमारे देश में आज जल संकट निरंतर गहराता जा रहा है। जल की उपलब्धता, उसका संरक्षण एवं गुणवत्ता से जुड़ी समस्याओं में दिन-प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। इन समस्याओं से निपटने के लिए यह जरूरी है कि जनमानस को जल के विभिन्न गुण-धर्मों की पर्याप्त जानकारी हो। अतः इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य जल से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को सामान्य जन मानस तक उनकी अपनी आम बोल चाल की भाषा ''हिंदी'' के माध्यम से पहुंचाना है। जन जागरूकता अभियान तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से यह पत्रिका निःशुल्क वितरित की जाती है।

संपादक मंडल उन समस्त विद्वत लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। जल चेतना के इस अंक में जिन स्रोतों से चित्रों का संकलन किया गया है, संपादक मंडल उनका भी हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को अत्यन्त रोचक तथा उपयोगी लगेगी। पत्रिका के आगामी अंकों को और अधिक आकर्षक एवं रोचक बनाने तथा सामग्री व साज-सज्जा में अपेक्षित सुधार लाने के लिए समस्त सुधी पाठकों से उनके महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित हैं।

National Institute of Hydrology
राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
आपो हिष्टा मयोभुवः

जुलाई 2021

संरक्षक
डॉ. जयवीर त्यागी

मुख्य संपादक
डॉ. अनिल कुमार लोहनी

परामर्शदाता
ओमकार सिंह
डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
डॉ. राजेश सिंह
डॉ. मनीष कुमार नेमा
दिगम्बर सिंह
पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल
पवन कुमार
तिलकराज सपरा

संपादक
डॉ. मनोहर अरोड़ा

सह संपादक
प्रदीप कुमार उनियाल
दौलत राम

प्रकाशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन, रूड़की-247667
उत्तराखंड

मुद्रक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की

जल चेतना
मूल्य : निःशुल्क
शिकायत : 01332-249228, 249234
ई-मेल : jalchetna44@gmail.com

सम्पादकीय : 01332-249214, 249234,
फैक्स : 01332-272123
ई-मेल : jalchetna44@gmail.com
वेब साइट : www.nihroorkee.gov.in

© राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
पत्रिका में प्रकाशित आलेख एवं रचनाओं में प्रस्तुत तथ्य लेखकों के अपने विचार हैं, संपादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
पत्रिका से सम्बन्धित सभी विवाद रूड़की न्यायालय द्वारा ही निपटाए जायेंगे।